PVG's

Muktangan English School & Jr. College, Pune - 9

Preliminary Examination (2024-25)

Standard - X

Subject - HINDI (Composite) | **Marks - 40**

Date - 08/01/2025 | **Time : 8:15 am to 10:15 am**

सूचनाएँ:–

१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा व्याकरण की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।

३) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियो की आवश्यकता नहीं है ।

४) शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ - गद्य (१२ अंक)

कृति १ अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

उनकी वेशभूषा की अस्त–व्यस्तता के साथ उनके निजी सचिव और सहचर भाई चक्रधर जी का स्मरण अनायास हो आता है । जब मोजों में से पाँचों उँगलियाँ बाहर निकलने लगतीं, जब जूते के तले पैर के तलवों के गवाक्ष बनने लगते, जब धोती, कुरते, कोट आदि का खद्दर अपने मूल ताने–बाने में बदलने लगता, तब चक्रधर इस पुरातन सज्जा को अपने लिए सहेज लेते । उन्होंने वर्षों तक इसी प्रकार राजेंद्र बाबू के पुराने परिधान से अपने आपको प्रसाधित कर कृतार्थता का अनुभव किया था। मैंने ऐसे गुरु–शिष्य या स्वामी–सेवक अब तक नहीं देखे।

राजेंद्र बाबू के निकट संपर्क में आने का अवसर मुझे सन १९३७ मे मिला जब वे काँग्रेस के अध्यक्ष के रूप में महिला विद्यापीठ महाविद्यालय के भवन का शिलान्यास करने प्रयाग आए । उनसे ज्ञात हुआ कि उनके संयुक्त परिवार में पंद्रह–सोलह पौत्रियाँ हैं जिनकी पढ़ाई की व्यवस्था नहीं हो पाई है । मैं यदि अपने छात्रवास में रखकर उन्हें विद्यापीठ की परीक्षाओं में बैठा सकूँ तो उन्हें कुछ विद्या प्राप्त हो सकेगी ।

पहले बड़ी फिर छोटी, फिर उनसे छोटी के क्रम से बालिकाएँ मेरे संरक्षण में आ गईं । उन्हें देखने प्राय: उनकी दादी और कभी–कभी दादा भी प्रयाग आते रहे । तभी राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी के निकट संपर्क में आने का अवसर मिला । वे सच्चे अर्थ में धरती की पुत्री थीं। वे साध्वी, सरल, क्षमामयी, सबके प्रति ममतालु और असंख्य संबंधों की सूत्रधारिणी थीं ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए **(१)**

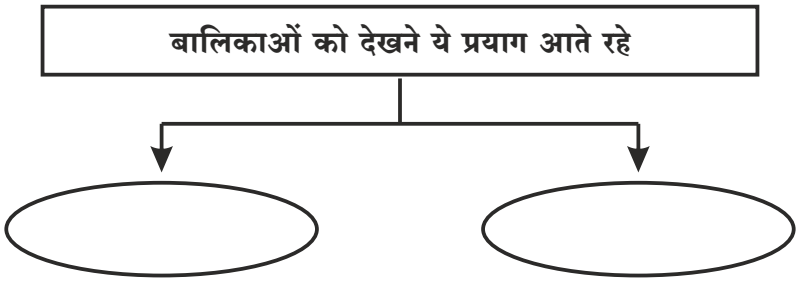

२) **एक शब्द में उत्तर लिखिए ।** **(1)**

i) राजेंद्र बाबू के निजी सचिव =

ii) राजेंद्र बाबू के परिवार में इतनी पौत्रियाँ है =

३) **i)** **निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए पर्यायवाची शब्द लिखिए ।** **(1)**

१) पत्नी = ☐

२) कुटुंब = ☐

ii) **वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **(1)**

i) मोजों मे से पाँचों उँगली बाहर निकलने लगती ।

ii) क्रम से बालिका मेरे संरक्षण में आ गई ।

४) **स्वमत अभिव्यक्ति -**

''वे सच्चे अर्थ में धरती की पुत्री थीं', परिच्छेद के आधार पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए । **(2)**

कृति १ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

यह हरसिंगार का पेड़ कितना खुश हो रहा है । जैसे कह रहा हो, ''आओ चिड़ियो, मेरी डाल-डाल पर फुदको और गाओ। आओ चिड़ियो, अपने मीठे-मीठे स्वरों से मुझे नहलाओ।'' मैने देखा, हरसिंगार नये पत्तों और टहनियों से लद गया है । जाड़े में खंखड़-सा हो जाता है और कभी-कभी डर लगता है कि यह सूख तो नहीं रहा है, लेकिन वसंत आते ही इसके भीतर सोई ऊर्जा जागने लगती है, प्राणरस छलकने लगता है और क्रमश: नई टहनियों तथा नये पत्तों के सौंदर्य से लद जाता है। मैं उसे देख रहा हूँ और लगता है, अब इसमें फूल आया, तब इसमें फूल आया । हाँ, यह हरसिंगार बहुत मस्त है । आषाढ़ में ही हलकी-हलकी हँसी उसमें फूटने लगती है, फिर शरद में तो कहना ही क्या ! तारों भरा आसमान बन जाता है । रात भर जगमग-जगमग करता रहता है और सुबह को अनंत फूलों के रूप में धरती पर बिछ जाता है । रात भर उसकी महक घर में टहलती रहती है । घर में ही क्यों, पास की गलियों और सड़कों पर भी वह घूमती -फिरती है और न जाने कितने लोगों की साँसों में बस जाती है । उसने अपनी महक से सबको खबर दे रखी है कि वह है, यहाँ है: यानी मेरे घर के आँगन में।

i) **आकृति पूर्ण कीजिए** **(1)**

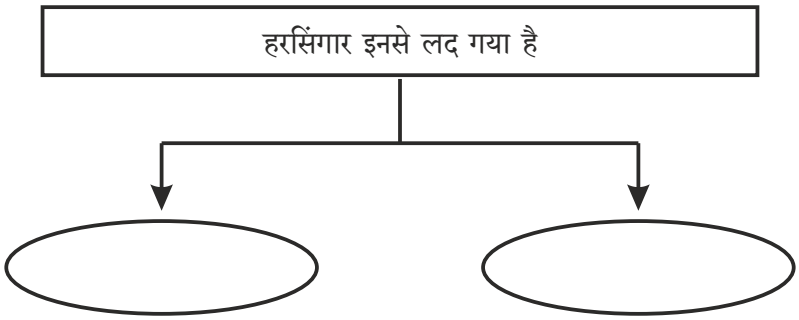

ii) (1)

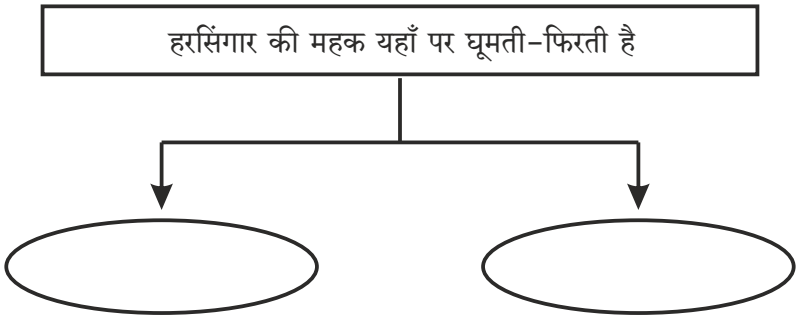

२) **i) निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द लिखिए।** **(1)**

i) भीतर **x** ________

ii) धरती **x** ________

ii) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर नये शब्द बनाइए। **(1)**

उपसर्ग	**शब्द**	**प्रत्यय**
________	← भाग्य →	________
________	← प्रभाव →	________

३) **स्वमत अभिव्यक्ति** **(2)**

'अपने पसंदीदा फूल' के बारे में ६-८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पद्य (८ अंक)

कृति २ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

मानुष हौं तो वही 'रसखान', बसौं मिलि गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन ।।
पाहन हौं तो वह गिरि को, जो धर्‌यो कर छत्र पुरंदर कारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन ।।

धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनि बाजति, पीरी कछोटी ।।
वा छबि को 'रसखान' बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी।
काग के भाग कहा कहिए, हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी ।।

सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि के ग्वालि पुकार हँसी है।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है ।।

सेस, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं ।
जाहि अनादि, अनंत, अखंड, अछेद, अभेद, सुबेद बतावैं ।।
नारद से सुक व्यास रटें, पचिहारे तऊ पुनि पार न पावैं ।।
ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं।।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। **(1)**

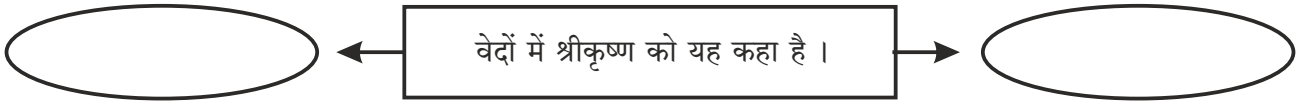

२) शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए। **(1)**

i) जो सदैव चलता रहता है _____

ii) छाछ रखने का छोटा पात्र _____

३) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए। **(2)**

कृति २ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

ऐसा वसंत कब आएगा ?
जब 'मानवता के वन-उपवन का
हर प्रसून खिल पाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?

लड़कर अभाव के पतझड़ से,
नव सर्जन रण में विजयी बन,
सुख-सुविधा रस के सम वितरण का
पा नवयौवनमय जीवन,
हर मनुज-कुसुम संतोषमयी
मुस्कान मधुर बरसाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?

ऐसे वसंत कुछ चले गए,
प्रासादों ही का नहीं, कुटी का
आँगन भी तो है आँगन,
सुख-दुख पर होता है समान
हर मानव के उर में स्पंदन ;
सबके प्राणों का पुलक बने,
ऐसा क्षण कौन बुलाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?

१) परिच्छेद में आए दो शब्द-युग्म ढूँढकर लिखिए (1)

i)

ii)

२) निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए। (1)

	चिह्न		नाम
१)	,	=	
२)	?	=	

३) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए। (2)

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) (८ अंक)

कृति ३) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए (1)

i) परिक्षार्थि / परीक्षार्थि / परीक्षार्थी =

ii) इकट्ठा / इकठ्ठा / इकठ्टा =

२) निम्नलिखित अव्यव शब्दों में से <u>किसीएक</u> अव्यय शब्द का अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

i) की ओर

ii) अरे!

३) कृति पूर्ण कीजिए। (1)

संधि शब्द	संधिविच्छेद	संधिभेद
नमस्ते	+	

अथवा

	सदा + एव	

४) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए । **(1)**

(नाक – भौं सिकोड़ना, यादों में जाग उठना)

बचपन के गीत सुनकर रमा की **पुरानी यादे ताजा हो गई** ।।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

मन मारना

५) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन ।

i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए । **(1)**

यह हरसिंगार का पेड़ कितना खुश हो रहा है ।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसीएक वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए । **(1)**

i) मैं घर में संस्कारों का इन्वेस्टमेंट कर रहा हूँ ।
(सामान्य वर्तमानकाल)

ii) लोगों ने पहाड़ काटकर मैदान बना डाले है ।
(सामान्य भूतकाल)

६) वाक्य के भेद तथा वाक्य परिवर्तन

i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए । **(1)**

जब मैं बाहर निकला, तो भरा–पूरा अनुभव कर रहा था ।

ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए । **(1)**

तुम्हे अपना ख्याल रखना चाहिए । (आज्ञार्थक वाक्य)

विभाग ४ - रचना विभाग (१२ अंक)

कृति ४) पत्रलेखन

अ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **(4)**

मिलिंद जोशी / मानसी जोशी, शास्त्री नगर, अमरावती 444601 से स्वास्थ्य अधिकारी, महानगरपालिका, अमरावती 444609 को शहर में अशुद्ध जल के कारण बढ़ती बीमारी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता /लिखती है ।

अथवा

उमेश वर्मा / उमा वर्मा, नेहरू नगर, कोल्हापूर से, मित्र / सहेली, सागर जाधव / सरिता जाधव, शास्त्री नगर, कोल्हापूर के नाम पत्र लिखकर व्यायाम का महत्त्व समझाता / समझाती है ।

२) कहानी - लेखन **(4)**

निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर 60 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए ।

एक भूखा कुत्ता – रोटी का टुकड़ा मिलना – नदी के किनारे – किनारे चलना – पानी में अपनी परछाई देखना – उसे दूसरा कुत्ता समझना – उसे देखकर भौंकना – रोटी का पानी में गिरना – सीख ।

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो । (केवल प्रश्न ही बनाइए।)

बातचीत में निपुण होने के लिए सबसे पहला उपाय यह है कि अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाइए, अपना शब्दज्ञान बढ़ाइए तथा अधिकतर लोगों के बीच ही रहिए । एकांतप्रिय व्यक्ति कभी भी कला नहीं सीख सकता । एक अन्य गुण जो कि इस कला के लिए अनिवार्य है, वह यह है कि आप अपने में सहनशक्ति उत्पन्न करें । दूसरों की बातों को यदि आप रुचिपूर्वक नहीं सुनेंगे तो आपकी बात कौन सुनेगा ? और सबसे बड़ी खूबी यह पैदा कीजिए कि अपने सामनेवाले को कभी काटिए मत, उसकी किसी भावना का जान-बूझकर ठेस पहुँचाने की कोशिश न करें । यदि उसकी किसी बात का प्रतिवाद करना बातचीत के लिए ज़रूरी भी हो जाए तो पहले उससे सहमत हो जाए और फिर अपना मत कुछ इस ढंग से प्रस्तुत करें कि वह आपसे असहमत होते हुए भी सहमत होने को तैयार हो जाए। अत: यह बात गाँठ बाँध लें कि, आपका चाहे जो भी क्षेत्र हो उसमें सफल होने के लिए आपको बातचीत की कला सीखनी ही होगी ।

आ) निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों में से <u>किसीएक</u> विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए । **(4)**

१) वसंत ऋतु

२) समय का सदुपयोग

३) जल है, तो कल है